

**असि स्त्री.** (तत्.) 1. अवलंब तलवार, खड्ग, भुजाली 2. छुरी।

**असिक पुं.** (तत्.) मानव चेहरे पर होठ और ठुड़ी के बीच का गहरा भाग।

**असिकला स्त्री.** (तत्.) तलवार चलाने की कला या अभ्यास, तलवारबाजी, वि. धनुर्विद्या की तरह ही तलवारचलानेकी भीविद्या होती है, वार के प्रकार, दिशा, पद संचालन (पैंतरे), रोध आदि उसमें सम्मिलित हैं।

**असिकनी स्त्री.** (तत्.) 1. रनिवास (अंतःपुर) में काम करने वाली युवती, सेविका 2. चंद्रभाग या चिनाव नदी जो पंचनद (पंजाब) में बहती है 3. रात्रि।

**असिचर्या स्त्री.** (तत्.) खड्ग चलाने का अभ्यास, तलवार-बाजी दे. असिकला

**असित पुं.** (तत्.) 1. जो सफेद न हो, अश्वेत 2. काला; नीला 3. बुरा, कुटिल, दुष्ट पुं. (तत्.) 1. काला या नीला रंग 2. शनि 3. देवल ऋषि 4. कृष्ण पक्ष 5. धव वृक्ष।

**असितकेशा स्त्री.** (तत्.) काले बालों वाली स्त्री।

**असितग्रीव पुं.** (तत्.) 1. अग्नि 2. काली गर्दन या काले मध्य भाग वाला।

**असितपक्ष पु.** (तत्.) कृष्ण पक्ष, अँधियारा पक्ष, चांद्रमास के दो पक्षों में से वह पक्ष जो अमावस्या को समाप्त होता है, इस पक्ष में चंद्र की कलाएँ पूर्णिमा से आरंभ होकर क्रमशः घटती जाती हैं।

**असितमृग पु.** (तत्.) कृष्णमृग, काला हिरन, पवित्र कार्यों (जैसे- आसन, यज्ञ आदि) के लिए उपयुक्त पशु, इसीलिए आश्रमों में इन्हें पाला जाता था।

**असितरत्न पु.** (तत्.) नीलम नामक मणि।

**असिता स्त्री.** (तत्.) 1. यमुना नदी 2. (पंजाब की) चंद्रभागा नदी 3. काली रात्रि 4. नील का पौधा 5. दक्ष पत्नी 6. काले रंग की दासी।

**असितांग वि.** (तत्.) काले शरीर वाला, जिसके अंग काले हों।

**असितांबुज पुं.** [असित+अंबुज] (तत्.) नील कमल।

**असिताश्म पुं.** (तत्.) 1. काले या नीले रंग का पत्थर 2. इसी रंग का हकीक पत्थर 3. नीलम नामक रत्न।

**असितोत्पल पुं.** (असित+उत्पल) (तत्.) 1. नील कमल 2. नीलम।

**असिदंत पुं.** (तत्.) मगर, मगरमच्छ, घड़ियाल।

**असिद्ध वि.** (तत्.) 1. जो सिद्ध न हो 2. आग पर न पका हुआ, कच्चा 3. अपूर्ण, अधूरा 4. व्यर्थ 5. अप्रमाणित 6. परिणाम-शून्य विलो. सिद्ध।

**असिद्धि स्त्री.** (तत्.) 1. सिद्ध या साबित न होने की स्थिति 2. कच्चापन 3. अपूर्णता 4. विफलता 5. अफल प्राप्ति, अप्राप्ति।

**असिद्धदोष वि.** (असिद्ध दोष) (तत्.) विधि. जिसका दोष न्यायालय में सिद्ध न हुआ हो और जिसे दंडित न किया गया हो non-convicted विलो. सिद्धदोष।

**असिधारा स्त्री.** [असि धारा] (तत्.) तलवार की धार।

**असिधाराव्रत पुं.** (असिधारा+व्रत) (तत्.) तलवार की धार पर चलने जैसा कठिन कार्य, ला.अर्थ. स्त्री के साथ रहते हुए भी उसके साथ संभोग से विरति (का संकल्प)

**असिस्टेंट वि.** (अं.) 1. सहायक 2. नायब 3. सहकारी, सहयोगी, मददगार।

**असीम वि.** (तत्.) 1. जिसकी कोई सीमा न हो, सीमारहित 2. अपरिमित, अनंत, बेहद 3. अपार, अगाध, बेहिसाब विलो. ससीम।

**असीमाक्ष पु.** (तत्.) वन. ऐसा पुष्पक्रम जिसमें मुख्य अक्ष बढ़ता ही जाता है और उसके पार्श्व-में शाखा, पुष्प आदि क्रम से निकलते रहते हैं विलो. ससीमाक्ष raceme

**असीमित वि.** (तत्.) 1. जो सीमित न हो, जिसकी सीमा निश्चित न की गई हो 2. अपरिमित 3. अप्रतिबंधित विलो. सीमित।